णोः त्वं शतवल्शः बह्वङ्कुरः सन्विरोह विशेषेण जायस्व वयं च सहस्रवल्शाः पुत्रपौत्रादिभिर्बहुशाखोपेता विरुहेम प्रजायेमहि ॥ ४३ ॥

श्रीमन्महीधरकृते वेददीपे मनोरमे । आतिथ्यात्स्थाणुहोमान्तः पञ्चमोऽध्याय ईरितः ॥५॥ ॥

अथ काण्वशाखायां पाठविशेषः ॥

I. ॥ १ ॥१॥ २ ॥२॥ ३ [°तसाऽग्रे°] ॥३॥ ४ [अग्नाऽअग्नि°] ॥४॥ ॥

II. ॥ ५ a - [त्वा गृह्णामि परिपतये त्वा गृ°] - शक्मन्नोजिष्ठाय ॥१॥ ५ b - °शस्तिन्यम् ॥२॥ अञ्जसा सत्यमुपगेषव सुविते मा धा अग्ने व्रतपास्त्वे व्रतपाः ॥३॥ ६ या तव - [या मम] - °स्यतिः ॥४॥ ७ - °प्यायस्व ॥५॥ ७ आप्यायया° - सुत्यामुदृचमशीय ॥६॥ ७ दृष्टा - °दिभ्यो नमो दिवे नमः पृथिव्यै ॥७॥ ८ [हरीशया] ॥८॥१२॥ ॥

III. ॥ ९ a. b. c [व्यथितम्]. d [नाथितम्] ॥१॥ ९ e-o [विदद्ग्नेर्नभो]. १० ॥२॥१४॥ ॥

IV. ॥ ११ a-d ॥१॥ ११ e. १२ a. b ॥२॥ १२ c-f ॥३॥ १३ [°ह्याग्नेर्भस्मास्यग्नेः पुरी°] ॥४॥१८॥ ॥

V. ॥ १४ - °ष्टुतिः ॥१॥ १५ [समूल्हम°] ॥२॥ १६ [विन्नऽऋते] ॥३॥ १७ a. b ॥४॥ १७ c. d ॥५॥ १८ ॥६॥ १९ ॥७॥ २० ॥८॥ २१ ॥९॥२७॥ ॥

VI. ॥ २२ [रक्षसो]. रक्षोहणं वलगहनं वैष्णवीम् ॥१॥ २३ e-i [नः instead of मे । °मुद्वपामि instead of °मुत्किरामि] ॥२॥ २४ [°राल°] ॥३॥ २५ a. b. c [°णो वल°] ॥४॥ २५ d. e [°णो वल°]. f. g ॥५॥३२॥ ॥

VII. ॥ २६ a-e [रक्षसो] ॥१॥ २६ f. g. २७ a ॥२॥ २७ b - यूह्णामि ॥३॥ २७ b ब्रह्म - °ञ्जां दृंह । ध्रुवासि ध्रुवोऽस्मिन्यजमान आयतने भूयात् । २८ b. c ॥४॥ २९ ॥५॥ ३० ॥६॥३८॥ ॥